दलहन से सम्बन्धित

प्रश्न: चने की फसल में उकठा रोग का प्रकोप हो गया है किस प्रकार फसल का बचाव करें?

उत्तर:

कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 2.5 ग्राम + स्ट्रेप्टोमाक्सिन सल्फेट 0.15 ग्राम/50 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

चने की फसल में उकठा रोग

प्रश्न: मटर की फसल में जड़ में गलन व उकठा रोग लग गया है किस प्रकार इससे बचाव करें?

उत्तर:

थायोफेनेट मिथाईल–1.5 ग्राम + स्ट्रेप्टोमाक्सिन सल्फेट + क्लोरोपाइरोफास–2.5 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

मटर की फसल में जड़ में गलन व उकठा रोग

प्रश्न: मटर में फूल गिरने तथा लीफ माइनर कीट की समस्या है। इसके लिए क्या उपाय करें?

उत्तरः

ट्राइकैन्टानाल 1.0 मिली + थायोन्यूट्री 2.5 ग्राम तथा बाइफेन्थ्रीन 1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: अरहर में पत्ती लपेटक कीट का प्रकोप है फसल को किस प्रकार इस कीट से बचायें?

उत्तरः

क्लोरो पाइरीफास+ सायपर 2.0 मिली प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। अथवा लैम्डासाय हैलोथ्रिन 2.5 मिली + डी.डी.वी.पी. 1. 0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्नः मटर की फसल में कहीं कहीं पौधे सूख रहे हैं तथा फूल गिरने की समस्या है। क्या करना चाहिये?

उत्तरः

थायोफेनेट मिथाईल–1.5 ग्राम + ट्रायकेन्टानाल–1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: मटर की फसल में फ्यूजेरियम विल्ट का प्रकोप तथा फूल गिरने की समस्या है। इसकी रोकथाम के लिये क्या उपाय करें?

उत्तरः

थायोन्यूट्री 2.5 ग्राम + एमिडाक्लोप्रिड 1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

मटर की फसल में फ्यूजेरियम विल्ट का प्रकोप

प्रश्न: मूंग की फसल को सुंडी के प्रकोप से कैसे बचायें?

उत्तरः

क्वीनालफास 2.0 मिली + डी.डी.वी.पी. 1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: उर्द की फसल को कैटरपिलर के प्रकोप से कैसे रोकथाम करें?

उत्तरः

क्वीनालफास 3.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: मटर की फसल को फली भेदक कीटों से कैसे बचाव करें?

उत्तरः

क्लोरोपाइरीफास 3.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: अरहर की फसल में बॉल वर्म (Boll worm) का प्रकोप है। फसल को इससे कैसे बचाव करें?

उत्तरः

इसके लिए क्वीनालफास 3.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: अरहर की पत्तियों में छेद हो रहे हैं, फूल बनने पर कीड़े चिपक रहे हैं, लक्षण बतायें? इससे फसल की सुरक्षा किस प्रकार करें?

उत्तरः

इसके लिए क्वीनालफास 2.5 ग्राम तथा डी.डी.वी.पी. 1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: मटर की फसल में विल्ट तथा सड़न रोग की रोकथाम के लिए क्या उपाय करें?

उत्तरः

इसके लिए मेन्कोजेब तथा कार्बेन्डाजिम 2.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

मटर की फसल में विल्ट तथा सड़न रोग

प्रश्नः अरहर में तना तथा फल भेदक कीट का प्रकोप है इनकी रोकथाम के लिए क्या उपाय करें?

उत्तरः

इन्डोक्वीनालफास 2.5 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें

अरहर में तना तथा फल भेदक कीट

प्रश्नः अरहर में कब–कब सिंचाई करनी चाहिये?

उत्तरः

एक सिंचाई फलियां बनने के समय अक्टूबर माह में अवश्य करें। देर से पकने वाली किस्मों में पाले से बचाव हेतु दिसम्बर या जनवरी में सिंचाई करना लाभप्रद रहता है।

प्रश्नः मूंग की उन्नत किस्मों के नाम बतायें?

उत्तरः

पंत मूंग–1, पंत मूंग–3, सम्राट, मालवीय ज्योती, मालवीय जाग्रति, पंत मूंग–4 अच्छी उपज देने वाली किस्में हैं।

प्रश्न: अरहर की उकठा अवरोधी किस्म का नाम बतायें?

उत्तरः

अरहर की उकठा अवरोधी किस्में नरेन्द्र अरहर–1 एवं अमर प्रमुख है।

प्रश्न: अरहर की बिजाई का उचित समय क्या है?

उत्तरः

देर से पकने वाली प्रजातियों की बिजाई जुलाई माह में, शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की बिजाई जून के मध्य तक कर देनी चाहिये।

प्रश्न: मटर की फसल में विल्ट तथा सड़न रोग की रोकथाम के लिए क्या करें?

उत्तरः

इसके लिए मेन्कोजेब तथा कार्बेन्डाजिम 2.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: अरहर की उन्नतशील किस्में कौन सी है?

उत्तरः

अगेटी प्रजातियां – पारस, पूसा 992, टाइप 21 देर से पकने वाली – बहार, अमर, आजाद, पूसा 9, नरेन्द्र अरहर–1, मालवीथ।

प्रश्न: अरहर की बुवाई का उपयुक्त समय क्या है?

उत्तरः

देर से पकने वाली किस्मों की बुवाई जुलाई माह में, शीघ्र पकने वाली किस्मों की बुवाई जून के मध्य तक।

प्रश्नः मूंग की फलियों में कीड़ा लग रहा है क्या उपाय करें?

उत्तरः

क्यूनालफास 25 ईसी 1.50 ली0, या डैका मेथ्रिन 2.8 ईसी 450 मिली की दर से 800–1000 ली0 पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मूंग की फलियों में कीड़ा

प्रश्नः मूंग की फसल की पत्तियों पर पीले चकत्ते दिखाई दे रहे हैं इसको रोकने का क्या उपाय है?

उत्तरः

डाइमिथोएट 30 ईसी 1 ली0/हे0 का घोल बनाकर 2–3 बार छिड़काव करना चाहिये।

मूंग की फसल की पत्तियों पर पीले चकत्ते